गोस्वामी तुलसीदास

1. काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए - तुलसी ...... पेट की।
1. इसमें तुलसी की श्री राम पर गहरी आस्था और श्रद्धा प्रकट हुई है।
2. राम घनश्याम में रूपक तथा अनुप्रास अलंकार है।
3. ब्रज भाषा का प्रयोग है। भक्ति काल की कविता है।
4. भाषा अनुप्रास मयी संगीतात्मक तथा प्रवाह पूर्ण है।

2. किस-किस वर्ग के लोग पेट-पूर्ति के लिए मारे-मारे फिर रहे हैं
मेहनतकश मजदूर, किसान, व्यापारी, भिखारी, भाट, नौकरचाकर, कलाकार, चोर, संदेशवाहक, बाजीगर, विद्यार्थी, शिकारी, शिल्पकार सभी पेट भरने की चाह में मारे-मारे फिर रहे हैं।

3. रावण ने कुंभकर्ण के सामने किस प्रकार दंभ प्रकट किया?
रावण ने कुंभकर्ण के सामने जाकर अपनी गलती नहीं मानी, बल्कि राम की गलती बताकर सारी कहानी सुनाई। उसने सीता को उठालने की बात भी अभिमान सहित कही। उसके परिणाम स्वरुप लंका के बड़े-बड़े शूरवीर सैनिक मारे गए। इस बात को कहने में भी उसे संकोच नहीं हुआ। इस प्रकार से उसने अपना दंभ प्रकट किया।

4. भूख और गरीबी का सबसे मार्मिक दृश्य कौन सा है?
भूख और गरीबी के कारण लोगों को अपने बेटा-बेटी तक को बेचना पड़ रहा है।

5. रावण कुंभकर्ण के पास किस लिए गया।
राम रावण युद्ध में रावण के अनेक सैनिक मारे गए। रावण के भाई मेघनाद ने लक्ष्मण को मूर्छित करके एक बड़ी सफलता पाई थी। रावण को लगता था कि लक्ष्मण को मूर्छित देखकर राम का आत्मबल टूट जाएगा। परंतु आशा के विपरीत लक्ष्मण की मूर्छा टूट गई। यह समाचार सुनकर रावण भयभीत हो उठा। राम तथा लक्ष्मण के पराक्रम से बचने के लिए कुंभकर्ण जैसे वीर योद्धा की जरूरत थी। इसलिए रावण कुंभकर्ण की मदद के लिए उसके पास गया।

6. कवि की भूख कैसे शांत हुई।
कवि की भूख राम की कृपा से ही शांत हो सकती है। राम बादल बन कर इन पर कृपा करेंगे तथा इन्हें भोजन प्रदान करेंगे।

7. राम लक्ष्मण के प्रति अगाध स्नेह रखते हैं सिद्ध कीजिए
राम लक्ष्मण से अत्यंत प्रेम करते हैं। वे उन्हें मूर्च्छित देखकर विलाप करते हैं। राम लक्ष्मण को बार-बार छाती से लगाते हैं। यद्यपि वे मर्यादा पुरुषोत्तम राम हैं। वे कहते हैं कि भाई मुझे पता होता कि वनवास में लक्ष्मण मुझसे बिछड़ जाएंगे तो मैं वनवास से मना कर देता। लक्ष्मण के स्नेह में वे अपनी मर्यादा तक भूलने लगते हैं। इससे पता चलता है कि राम लक्ष्मण के प्रति अगाध स्नेह रखते हैं।

8. आशय स्पष्ट कीजिए- आगि ..... पेट की
पेट की आग समुद्र की आग से भी बड़ी है, अर्थात खाना, मनुष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है। कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं रह सकता। पेट के लिए मनुष्य जीवन के सभी कार्य कर रहा है।

9. तुलसी की नारी दृष्टि पर प्रकाश डालिए
तुलसी का युग भारतीय परिवार व्यवस्था को सम्मानित करने वाला युग था। उसमें भाई का महत्व पत्नी से अधिक था। कारण ये है कि भाई का संबंध व्यक्ति के अपने रक्त में नहीं है। पत्नी का संबंध उसके अपने रक्त में है। कवि की दृष्टि में अपनी पत्नी से ज्यादा भाई का महत्व है। भाई का संबंध जन्मजात है, पुराना है, दीर्घ है, प्राकृतिक है पत्नी के साथ संबंध नियोजित है। तुलना करने पर भाई का महत्व अधिक ठहरता है।

10. शिल्प सौन्दर्य- किसकी ..... पेट को।
1. भक्त कवि होते हुए भी तुलसीदास ने संसार के कष्टों को तथा पेट की आग के मर्म को स्वीकार किया है।
2. भाषा में प्रवाहपूर्णता है। शब्द बड़े वेग से दौड़ते हुए प्रतीत

होते हैं।

3. अनुप्रास की छटा अत्यंत मनोरम है - किसबी-किसान कुल भिखारी,भाट, चाकर चपल नट चोर, चार चेटकी, "उन गढ़त
4. राम घनश्याम में रूपक अलंकार है।

11. राम लक्ष्मण का नाम ले-लेकर क्यों व्याकुल थे?
लक्ष्मण मूर्छित पड़े थे। रामचंद्र उन्हें प्राणों से भी ज्यादा प्रिय थे। अगर संजीवनी बूटी समय से उपलब्ध न होती तो लक्ष्मण के प्राण भी जा सकते थे। हनुमान जी संजीवनी बूटी लेकर अभी तक नहीं आए थे। अतः वे भाव-विह्वल होकर लक्ष्मण का नाम पुकार रहे थे।

12. विभिन्न वर्गों के लोग भुखमरी के शिकार क्यों हैं?
सभी को अपने व्यवसाय के हिसाब से काम नहीं मिल रहा है। समाज की स्थिति शोचनीय है। काम न मिलने के कारण सभी भुखमरी के शिकार हैं।

13. तुलसी को अपने किस रूप पर गर्व था और क्यों?
तुलसीदास भगवान राम के परम भक्त थे। वे जानते थे कि संकट के समय श्री राम सभी की मदद करते हैं। उन्हें इस बात का गर्व था कि वे राम के गुलाम के रूप में प्रसिद्ध हैं। उनकी पूर्ण आस्था तथा श्रद्धा एकमात्र श्री राम के चरणों में थी। इसीलिए वे राम भक्त होने में अपना गौरव मानते थे।

14. आजीविका विहीन लोग अपनी पीड़ा किस प्रकार व्यक्त करते हैं?
आजीविका विहीन लोग अत्यंत दुखी हैं। उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा है कि वे क्या करें क्या नहीं? वे चिंता से ग्रस्त हैं वे भयभीत होकर एक दूसरे से कह रहे हैं कि "हम कहाँ जाएँ क्या करें"।

15. तुलसी की वाणी में लोगों के प्रति उलाहने और तिरस्कार का क्या कारण रहा होगा?
तुलसी अपने समय में बहुत लोकप्रिय थे। अवश्य लोगों ने उनकी लोकप्रियता से चिढ़कर उनकी ओर निंदा की होगी। उनके

बारे में तरह-तरह की बातें बनाई होंगी। किसी ने उन्हें धूर्त कहा होगा, किसी ने उन्हें निम्नजाति का भिखारी कहा होगा तुलसी ने ऐसे ही निंदकों को उत्तर देते हुए उनका तिरस्कार किया होगा।

16. तुलसी को भयानक भुखमरी में किससे आशा है?
तुलसी को राम से पूर्ण आशा है। उन्हें पता है भगवान सबकी मदद करेंगे क्योंकि वे दीन बंधु हैं।

17. तुलसी का युग भी बेरोजगारी और बेकारी से ग्रस्त था बेकारी हर युग की समस्या है। तुलसी का समय भी बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहा था। उनके समय में भी दरिद्रता रूपी रावण ने दुनिया को इस प्रकार दबा लिया था कि सभी त्राहि त्राहि कर उठे थे। न किसान फसलें उगा पा रहा था, न भिखारी को भीख मिलती थी न व्यापारी को व्यापार मिल रहा था न नौकरों को नौकरियाँ उपलब्ध थीं।

18. तुलसी ने रावण की तुलना किससे की है और उसका कैसा कुप्रभाव दिखाया है?
तुलसी ने दारिद दसानन दबाई दुनी कहकर दरिद्रता को रावण की संज्ञा दी है। उनके अनुसार दरिद्रता रूपी रावण ने पूरी दुनिया को बुरी तरह दबा लिया है। उसके पापों को बढ़ता देखकर लोग हाहाकार कर रहे हैं।

19. तुलसी ने पेट की आग को शांत करने का क्या उपाय बताया है?
तुलसी ने पेट की आग को शांत करने के लिए श्रीराम के चरण में जाने का उपाय बताया है। उनके अनुसार रामरूपी घनश्याम के बरसने से ही पेट की भूख शांत हो सकती है।

20. शिल्प सौंदर्य- (काव्य सौन्दर्य) खेती न ------- हहा करै
1. भाषा प्रवाहपूर्ण है।

2. अनुप्रास की छटा देखते ही बनती है बलि बनिक को बनिज
सौभाग्य सोचें, दारिद दसानन दबाई दुनी दीन बंधु! दुरित दहन देखि

3. शब्द चयन भावानुकूल है।

4. प्रसाद गुण है।

5. ब्रज भाषा का प्रयोग किया गया है।

फिराक गोरखपुरी

1. फिराक ने अपनी गजल में अपने लेखन के बारे में क्या कहा उन्होंने कहा है कि उनकी गजलें उनके हृदय की गहराइयों से निकली है। उनकी आँखों के आँसू ही उनके शेरों में चमक बनकर उभर हुए है।

2. चाँद के टुकड़े का प्रयोग किसके लिए हुआ है और क्यों? चाँद के टुकड़े का प्रयोग नन्हें शिशु के लिए हुआ है। माँ के लिए उसका पुत्र प्राणों के समान प्रिय है, इसलिए उसे चाँद का टुकड़ा कहा गया है।

3. फिराक प्रेम की सफलता के लिए समर्पण का महत्व मानते हैं- सिद्ध कीजिए
वे मानते हैं कि प्रेम की सफलता के लिए प्रेमी का समर्पण आवश्यक है। प्रेमी को प्रेम का आनंद उतना गहरा मिलता है जितना कि उसका समर्पण होता है। जो जितना ही खो जाता है वह उतना ही पा जाता है।

4. माँ द्वारा शिशु को खिलाने का दृश्य अंकित कीजिए.
माँ अपने बेटे को कभी गोद में झुलाती है तो कभी रह रहकर हवा में लहराती है इस प्रकार वह उसको प्रसन्न रखने का प्रयास करती है।

5. फिराक की गजल में प्रेम की दीवानगी व्यक्त हुई है प्रमाणित करें।
फिराक की गजल में प्रेम की मस्ती और दीवानगी है। यह दीवानगी भीगी-भीगी सूनी रातों में अपनी प्रिया की याद करते हुए व्यक्त होती है।

6. बच्चा माँ की गोद में कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त करता है?
बच्चा माँ की गोद में बहुत प्रसन्न है। वह झूल कर प्रसन्नता से इतना भर जाता है कि किलकारियाँ भरने लगता है। उसकी हँसी बरबस फूट पड़ती है।

7. फिराक की गजल वियोग शृंगार से संबंधित है- सिद्ध कीजिए
फिराक की गजल प्रेम के वियोग पक्ष से संबंधित है। इसमें प्रिय के प्रति वियोग का भाव अभिव्यक्त हुआ है। वियोग में प्रेमी अपनी प्रेमिका की याद में रोता है और तड़पता है। उसकी आँखे आँसुओं से छलकती है। इस गजल में यही विरह-वेदना व्यक्त हुई है। फिराक अपनी गजल के शेरों की चमक को भी अपने आँसुओं को ही मानते हैं।

8. यह अंश "आँगन में ..... हँसी" वात्सल्य का एक सुंदर दृश्य प्रस्तुत करता है. सिद्ध कीजिए।
वात्सल्य का सबसे मनोरम चित्र यही हो सकता है कि माँ पुत्र को अपनी गोदी में खिलाए, दुलारे और गुदगुदाए। बेटा भी माँ से वात्सल्य पाकर किलकारियाँ भरे। ये दोनो चित्र इस काव्यांश में साकार हो उठे हैं। इसलिए यह काव्यांश वात्सल्य रस का सुंदर निदेश है।

9. रक्षाबंधन के बारे में कवि ने क्या कहा है?
कवि ने रक्षाबंधन के बारे में कहा है कि आकाश में हल्के-हल्के बादल छाए हुए हैं। इस बीच नन्हीं सी प्यारी बहन अपने भाई के लिए चमकदार राखी लेकर आती है। राखी चमकदार लच्छों वाली है, वह उस राखी को भाई की कलाई पर बाँधने के लिये तैयार है।

10. भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए- आँगन ..... हँसी
इसमें माँ द्वारा बच्चे को झुलाने तथा हवा में उछालने का सहज स्वाभाविक वर्णन हुआ है। ऐसे समय बच्चे के मुँह से किलकारी निकलना भी एक स्वाभाविक बात है।

11. बालक द्वारा चाँद माँगने की जिद का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
बालक आकाश में खिले चाँद को देखकर उसे पा लेना चाहता है। वह समझता है कि यह चाँद भी एक खिलौना है। अतः वह जिद बाँध लेता है। माँ उसे बहलाने के लिए दर्पण में चाँद का प्रतिबिंब दिखलाती है। बच्चा प्रतिबिंब देखकर प्रसन्न

हो उठता है।

12. बच्चे को नहलाने का दृश्य अपने शब्दों में चित्रित कीजिए।
माँ अपने बेटे को निर्मल-स्वच्छ जल से नहला रही है। बेटे छलकते हुए जल के कारण बहुत प्रसन्न उमंगित और तरंगित है।

13. दीवाली के दिन की सज्जा और माँ के वात्सल्य का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।
दीपावली के दिन सारा घर रंग-रोगन से सजकर नया हो गया है। माँ घर में चीनी मिट्टी से बने हुए खिलौने ले आई है। बच्चा उस खिलौने को बड़े प्यार से निहारता है। माँ बच्चे को प्रसन्न करने के लिए उसके खिलौने वाले संसार के बीच एक नन्हा दीया जला देती है। उस समय उसके चेहरे पर ममता, कोमलता और वात्सल्य की उजली दमक होती है।

14. माँ बच्चे के बालों में किस प्रकार कंघी करती है?
नहाने के कारण बेटे के लंबे-लंबे उलझे बाल और अधिक उलझ गए हैं। माँ उन उलझे हुए बालों में कंघी करती है।

15. किस्मत हमको रो लेवे है हम किस्मत को रो ले हैं - इस पंक्ति में शायर की किस्मत के साथ तना-तनी का रिश्ता अभिव्यक्त हुआ है - स्पष्ट कीजिए।
कवि को निराशा के क्षण में ऐसा लगता है कि किस्मत ने उसका साथ नहीं दिया अतः वह अपनी बदकिस्मती के लिए रोता है। उधर किस्मत उसकी उदासी को देखकर उदास होती है। दोनों का आशय यह है कि कवि बेमन में स्वयं को अभागा महसूस करता है।

16. बच्चा अपनी माँ को किस प्रकार देखता है?
जब माँ बेटे को अपनी चुटनियों से दाबकर नए कपड़े पहनाती है तो उसके मन में अपनी माँ के प्रति प्यार उमड़ आता है। वह स्वयं को सजाने वाली माँ को बड़े चाव से निहारता है।

17. खुद का पर्दा खोलने का क्या आशय है?
जब हम किसी की निंदा करते हैं तो ये हमारे नकारात्मक भावना को ही दिखाता है। इस तरह हम अपना ही दोष प्रकट कर रहे है। कवि कहना चाहता है कि जब कोई निंदक बढ़-चढ़ कर कवि की निंदा करता है तो वह वास्तव मे कवि की निंदा न करके अपनी ही कमजोरी प्रकट कर रहा है।

18. शिल्प सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए। नहला ...... कपड़े
1. रुबाई छंद का प्रयोग है। इसमे चार बिंब प्रस्तुत किए गए हैं।
2. चारो बिंब गतिशील तथा मौलिक हैं- छलकते हुए निर्मल जल से बच्चे को नहलाने का बिंब
उलझे हुए बालों मे कंघी करने का बिंब
माँ के घुटनों मे सँभलकर कपड़े पहनने का बिंब
शिशु का माँ को प्यार से निहारने का बिंब
3. छलके छलके मे पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार
4. गेसु शब्द उर्दू प्रयोग है।

19. शायर राखी के लच्छे को बिजली की चमक की तरह कहकर क्या भाव व्यंजित करना चाहता है।
कवि ने राखी के लच्छो को बिजली की चमक के समान बताया है जिसके माध्यम से वह यह कहना चाहता है कि बहने अपने भाइयों की कलाई सजाने के लिए रंग बिरंगी राखी खरीदती हैं; इन राखियों को चुनते समय उनकी चमक का विशेष ध्यान रखती हैं।

20. नौरस विशेषण द्वारा कवि क्या कहना चाहता है।
नौरस का अर्थ है - नवरस अर्थात् नया नया रस।
कलियों मे नया- नया रस भर आया है।

छोटा मेरा खेत

1. कवि किसे रोक कर रखना चाहता है और क्यों ?
कवि साँझ के समय कजरारे बादलों से भरे आकाश में उड़ते बगुलों की पंक्तियों के सौन्दर्य को रोककर रखना चाहता है। इस दृश्य को देखने से उसका मन नहीं भरा। वह चाहता है कि वह इस दृश्य को और अधिक समय तक देखता रहे। इसलिए वह उसे रोक कर रखना चाहता है।

2. कवि ने अपनी तुलना किससे की है और क्यों ?
कवि ने अपनी तुलना एक किसान से की है जो कि अपने खेत में बीज बोकर, जल और खाद देकर फसलें उगाता है। कवि का कविता कर्म भी इसी के समान रचनात्मक है। वह कागज पर भावों के बीज उगाता है।

3. बगुलों के पंख कविता के सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।
'बगुलों के पंख' कविता सहज-सुंदर है। उसका विषय जितना सुंदर है, उसकी अभिव्यक्ति उससे भी अधिक सुंदर है। इसमें काले बादलों के बीच साँझ के समय आकाश में पंक्तिबद्ध होकर विहार करते बगुलों का चित्रण किया गया है। यह प्रकृति चित्रण हर प्रकार से मनोहारी है।

4. अंधड़ किसका प्रतीक है स्पष्ट कीजिए।
अंधड़ मन में अचानक आए भाव का प्रतीक है। कवि के हृदय में जब अचानक कोई संवेदना उमड़ती है तो कविता का जन्म होता है। यहां कवि के विचारों को अंधड़ के समान बताया गया है।

5. रोपाई क्षण........ अनंतता की का आशय स्पष्ट कीजिए
इसका आशय है जिस प्रकार बीज की रोपाई की जाती है उसी प्रकार उस क्षण कवि के मन में जो भाव आते है वह पन्ने पर अंकित हो जाता है और कविता का मूल भाव क्षण भर में जन्म ले लेता है। कवि की कविता अनंत काल तक जीवित रहती है।

6. शब्द फूटने से पहले रचनाकार को कौन सी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है?

शब्द फूटने से पहले कवि को भावना, कल्पना और अंतर्मुक्त होने से संबंधित तीन चरणों से गुजरना पड़ता है। जिस भाव की कविता कवि लिख रहा है पहले उसकी कल्पना करता है।

7. रस अलौकिक की धारणा स्पष्ट कीजिए

जब रचना पूर्ण हो जाती है तो कवि को अलौकिक आनंद की प्राप्ति होती है। कवि कहता है कि काव्य का आनंद दिव्य होता है। उसकी तुलना किसी लौकिक आनंद से नहीं की जा सकती। कवि को आत्मिक आनंद मिलता है। संतुष्टि मिलती है।

8. पद्यांश- छोटा .... - - विशेष के आधार पर कविता की रचना प्रक्रिया समझाइए।

कविता की रचना प्रक्रिया फसल आने के समान होती है। पहले कवि के मन में अचानक कोई भाव उमड़ता है। फिर वह भाव किसी भावुक क्षण में कल्पना की आँच से रंग रूप लेता है, तब वह भाव गलकर संप्रेषणीय बनता है। बाद में शब्द उपजते हैं। जिन्हें वह खेत के समान पन्ने पर अंकित करता है।

9. बीज गल गया निःशेष के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है

जिस प्रकार बीज पूरी तरह से गल जाता है उसी प्रकार कवि की भावना कल्पना से निकल कर पन्नों पर अंकित हो जाती है। जब तक कविता का मूल भाव कवि के मन में पूरी तरह रच-बस नहीं जाता, वह कवि निजता से मुक्त नहीं हो पाता।

10. इस कविता में सांगरूपक अलंकार का सार्थक उपयोग किया गया है कैसे?

संपूर्ण कविता में सांगरूपक अलंकार है। कवि ने खेती और कविता की तुलना बहुत सूक्ष्म ढंग से की है। कागज का पन्ना चौकोर खेत के समान है। बीज भावनाओं का प्रतीक है।

11. कल्पना के रसायन को पी का आशय स्पष्ट कीजिए

जैसे खेत में रसायन का प्रयोग किया जाता है ठीक उसी प्रकार रचना में कल्पना का समावेश किया गया है। जिस प्रकार पानी खाद आदि रसायन को पीकर खेत में पड़ा हुआ बीज अंकुर बनता है और धीरे-धीरे फल-फूल प्रदान करता है उसी प्रकार कवि के मन में पैदा हुआ भाव कल्पना की प्रक्रिया से गुजर कर शब्दों और अलंकारों से प्रकट होता है।

12. काव्य सौन्दर्य (भाषा पर टिप्पणी) छोटा ---- विशेष
1. कल्पना रूपी रसायन में रूपक अलंकार का प्रयोग किया गया है।
2. खेत और कविता के तुलनात्मक वर्णन द्वारा समझाया गया है
3. "पल्लव पुष्प, गल गया में अनुप्रास अलंकार है
4. अंधड़ इस बात का सूचक है कि विचार अचानक आ सकते हैं।

13. क्षण का बीज वहाँ बोया गया" का आशय स्पष्ट कीजिए
कविता की रचना किसी विशेष भावनात्मक क्षण में होती है। जिस क्षण जैसी भावनाएँ कल्पनाएँ कवि के मस्तिष्क में उपजती है वो वैसी ही पन्ने पर अंकित हो जाती है। जब कवि का हृदय किसी भावना के आवेश से तप्त होता है तो उसी समय कविता के जन्म की पृष्ठभूमि तैयार हो जाती है।

14. कवि ने छोटा मेरा खेत चौकोना किसे कहा है?
कवि ने अपने कागज के पन्ने, जिसपर वह अपनी भावनाएँ व्यक्त करता है उसे खेत के समान बताया है। जैसे किसान अपने खेत में फसलें लहलहाता है, ठीक उसी प्रकार कवि कागज पर कविताएँ उतारता है।

15. "छोटा मेरा खेत" कविता में अंधड़ का क्या महत्व है।
कहीं से उठा हुआ एक विचार अंधड़ के समान है। अंधड़ अनजाने में उपजे भावनात्मक आवेग के लिए प्रयुक्त हुआ है। कवि बताता है कि कविता करने की प्रेरणा अनजाने में ही जागती है। उसी क्षण नई कविता का बीज मन में

अंकुरित हो जाता है।

16. फल, रस और अमृत धाराएँ किसकी प्रतीक हैं?
फल, रस और अमृत धाराएँ काव्य के आनंद और अलौकिक रस की प्रतीक हैं।

17. 'छोटा मेरा खेत' का मूल भाव स्पष्ट करिए।
कविता का जन्म किसी अज्ञात प्रेरणा से किसी विशेष क्षण में होता है। जब कवि अहंकार मुक्त होकर पूरी तन्मयता से कविता के मूल भाव को मन में स्थान देता है तो उसमें से शब्द, भाव अलंकार आदि काव्यगुण स्वमेव फूटने लगते हैं। जिस प्रकार किसान खेत में फसल उगाता है उसी प्रकार कवि कागज के पन्ने पर अपने मन के विचारों को प्रकट करते हैं।

18. कवि ने इसका अक्षय पात्र किसे कहा है और क्यों?
कविता का रस युगों युगों तक मिलता रहता है कभी खत्म नहीं होता। एक बार जो कविता लिख दी वह जब तक सृष्टि है, अक्षय बनी रहेगी।

19. छोटा मेरा खेत किसे कहा गया है?
छोटा मेरा खेत कवि के कागज का एक पन्ना है। यह प्रतीकात्मक कविता है। कवि ने स्वयं की तुलना किसान से की है। उन्होंने अपनी सृजनशीलता को छोटे खेत की संज्ञा दी है जिसमें वह भावों के बीज उगाता है। उसके फल फूलों को अनंतकाल तक बाँटता है।

20. आँख चुराने का आशय स्पष्ट कीजिए
जब बगुलों की पंक्तियाँ आकाश में उड़ती हैं तो कवि कहता है कि उसकी आँखों को चुराए लिए जा रही हैं। कवि इस दृश्य को देखकर मुग्ध हो गया है। उसका पूरा ध्यान बगुलों की उड़ती हुई कतार की तरफ खिंचा चला जा रहा है।